आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत की स्वतन्त्रता के 75वें वर्ष का स्मरणोत्सव

कार्यक्रम एवं गतिविधियां

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

कृषि भवन, नई दिल्ली

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत की स्वतन्त्रता के 75वें वर्ष का स्मरणोत्सव

कार्यक्रम एवं गतिविधियां

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग
कृषि भवन, नई दिल्ली

जूलाई, 2021

जूलाई, 2021

© 2021, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्लीः
उचित आभार सहित इस प्रकाशन को गैर वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए प्रयोग में लिया जा सकता है/साझा किया जा सकता है।

अवधारणाः
डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव (डेयर) तथा महानिदेशक (भाकृअप)

संकलन एवं सम्पादनः
डॉ. जे.पी. मिश्रा, विशेष कार्य अधिकारी (नीति, योजना एवं साझेदारी) तथा सहायक महानिदेशक (अंतर्राष्ट्रीय संबंध), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

योगदानः
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी विषय–वस्तु प्रभाग

प्रकाशनः
डॉ. एस.के. सिंह, परियोजना निदेशक, कृषि ज्ञान प्रबंधन निदेशालय (डीकेएमए), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित तथा मैसर्स रॉयल ऑफसेट प्रिंटर्स, ए–89/1, नारायणा इंडस्ट्रियल एरिया, फेज़ I, नई दिल्ली–110028 द्वारा मुद्रित।

त्रिलोचन महापात्र, पीएच.डी.
सचिव एवं महानिदेशक
TRILOCHAN MOHAPATRA, Ph.D.
SECRETARY & DIRECTOR GENERAL

भारत सरकार
कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग एवं
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली 110 001
GOVERNMENT OF INDIA
DEPARTMENT OF AGRICULTURAL RESEARCH & EDUCATION
AND
INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
MINISTRY OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE
KRISHI BHAVAN, NEW DELHI 110 001
Tel.: 23382629; 23386711 Fax: 91-11-23384773
E-mail: dg.icar@nic.in

प्राक्कथन

भारतीय कृषि की स्वतंत्रता के बाद की यात्रा, सीमित करने वाले कई कारकों जैसे मौसमों की अनिश्चितता, मृदा की गुणवत्ता में हो रही गिरावट, वातावरण का बढ़ता हुआ तापमान तथा और अधिक विषैले नाशीजीवों और रोगजनकों के उभरने के बावजूद, बहुत प्रभावी रही है। खाद्यान्नों, फलों, सब्जियों, दूध, मांस, अंडों तथा मछली के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। योजनाबद्ध एवं कार्यनीतिक अनुसंधान से किसानों की विशिष्ट आवश्यकताओं का समाधान करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों का विकास हुआ है। राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान शिक्षा एवं विस्तार प्रणाली (एनएआरईईएस) में संस्थानों, राज्य सरकारों तथा अन्य हितधारकों के साथ नियमित विचार–विनिमय और सम्प्रेषण हेतु डिजिटल मंचों के प्रयोग के माध्यम से इनका प्रसार–प्रचार किया जा रहा है। अभी भी प्रयोगशाला से खेत तक प्रौद्योगिकी/सूचना के अंतरण के कमियाँ विद्यमान हैं। सभी हितधारकों के बीच हमारे सम्प्रेषण को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। राष्ट्र की स्वतन्त्रता का 75वां वर्ष आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। 15 अगस्त, 2022 से पहले 75 सप्ताहों के दौरान आयोजित किए जाने हेतु डेयर/भाकृअप ने विभिन्न गतिविधियों की योजना तैयार की है। इनमें कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली विभिन्न नई प्रगतियों के बारे में अधिकतम हितधारकों, विशेष रूप से किसानों तक पहुँचने के लिए विषय–गत क्षेत्रों पर जागरूकता अभियान और विख्यात व्यक्तियों द्वारा व्याख्यान शामिल हैं। अपनी आय को दोगुना करने में सफल हुए किसानों, छात्रों तथा शिक्षाविदों के जन समूह और किसानों की सफलता गाथाओं पर संग्रह के विमोचन के साथ 75 सप्ताह की इस यात्रा की परिणति होगी।

भारतीय कृषि : सफलता की एक गाथा–विभिन्न क्रांतियों में भा.कृ.अ.प. की भूमिका ("इंडियन एग्रिकल्चर– ए सागा ऑफ सक्सेस– रोल ऑफ आईसीएआर थ्रू डिफ़्रेंट रेवोल्यूशन्स") विषय पर एक पुस्तक प्रकाशित करना और इस अवसर पर इसका विमोचन किया जाना भी प्रस्तावित है।

हमारे प्रयासों की एक झलक प्रस्तुत करने के लिए "आज़ादी का अमृत महोत्सव" के 75 सप्ताहों के दौरान प्रस्तावित गतिविधियां और अभियान संकलित किए गए हैं। मुझे आशा है कि ये सभी हितधारकों के लिए रोचक एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध होंगे। भविष्य में हमारी गतिविधियों को सुदृढ़ करने के लिए सूचना एवं सुझावों का स्वागत है।

त्रि॰ महापात्र

(त्रिलोचन महापात्र)

दिनांक: 22 जून, 2021

स्थान: नई दिल्ली–110 001

पृष्ठभूमि

- सरकार ने भारत की स्वतन्त्रता के 75वें वर्ष को आज़ादी का अमृत महोत्सव के स्मरणोत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। वर्ष के दौरान समारोहों और अभियानों की योजना उन नीतिगत पहलों तथा प्रौद्योगिकीय उपलब्धियों पर चिह्नित की गई गतिविधियों और आयोजनों के अनुसार तैयार की गई है जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की विकास गाथा को प्रभावित किया है। सभी 75 सप्ताहों में प्रत्येक सप्ताह के लिए समर्पित ये साप्ताहिक विषय–वस्तुओं पर कम लागत वाले लेकिन लोगों की गहन सहभागिता वाले अभियान हैं। वैज्ञानिक उपलब्धियों एवं प्रौद्योगिकीय प्रगति के बारे में जन साधारण के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए इनमें समुदायों की सहभागिता तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजन शामिल होंगे।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग ने भारत की स्वतन्त्रता के 75वें वर्ष के स्मरण के लिए वर्ष 2021–22 के दौरान निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियों के समारोह आयोजित करने की योजना बनाई है:

क. 75वें स्वतन्त्रता दिवस से पूर्व के 75 सप्ताहों में विशिष्ट विषय–वस्तुओं तथा पण्यों पर प्रति सप्ताह एक जन जागरुकता अभियान का आयोजन

ख. "भारत की स्वतन्त्रता के 75 वर्ष तथा कृषि" विषय के अंतर्गत विख्यात विद्वानों के 75 व्याख्यानों का आयोजन–75 सप्ताहों तक प्रति सप्ताह एक व्याख्यान

ग. किसानों की आय को दोगुना करने पर 75000 किसानों की सफलता गाथाओं का प्रलेखीकरण

घ. भारतीय कृषि : सफलता की एक गाथा–विभिन्न क्रांतियों में भा.कृ.अ.प. की भूमिका (इंडियन एग्रिकल्चर: ए सागा ऑफ सक्सेस– रोल ऑफ आईसीएआर इन एग्रिकल्चरल रेवोल्यूशन्स) का प्रकाशन

ङ. 16 जुलाई 2022 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 94वें स्थापना दिवस पर किसानों की आय को दोगुना करने के 75000 किसानों की सफलता गाथाओं के दस्तावेज, भारतीय कृषि : सफलता की एक गाथा–विभिन्न क्रांतियों में भा.कृ.अ.प. की भूमिका पुस्तक का विमोचन तथा वैज्ञानिकों और किसानों के बीच भव्य विचार–विनिमय का आयोजन।

शुरूआत 12 मार्च, 2021 (प्रथम सप्ताह)	75 सप्ताह	समापन 15 अगस्त, 2022 (75वां सप्ताह)

क. जन जागरुकता अभियान

1. **राष्ट्रीय अभियानः** राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विशेष अवसरों के साथ घटित होने वाले अखिल भारतीय अभियानों का आयोजन किया जाएगा जिनसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्यों के कृषि विश्वविद्यालय, किसान संगठनों के प्रतिनिधि, जन नेता तथा पंचायती राज संस्थानों को जोड़ा जाएगा। इनके ब्यौरे निम्नानुसार हैं:

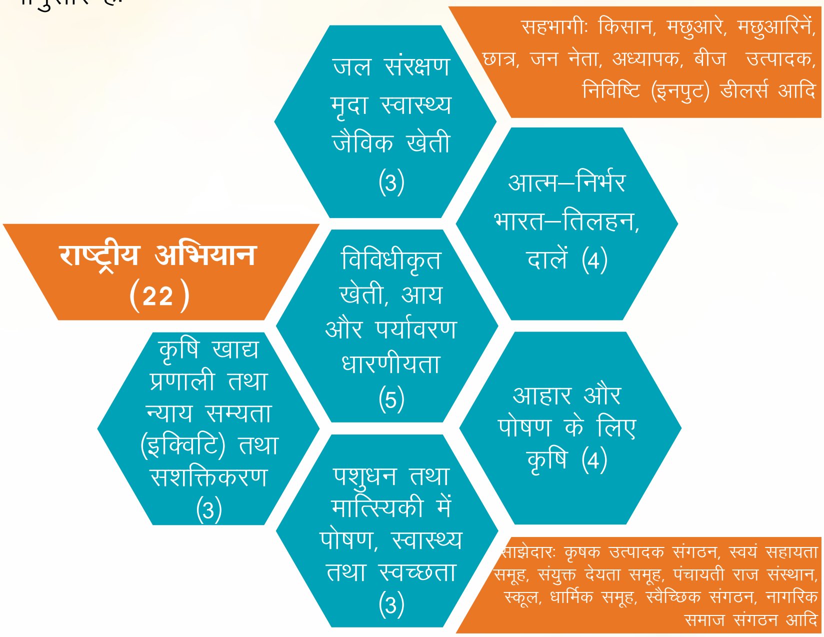

क्र. सं.	इंडिया@75 समारोह का सप्ताह	विषय–वस्तु	अभियान में अग्रणी तथा साझेदार भाकृअप संस्थान	सहभागिता करने वाले संस्थानों / कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या
1	सप्ताह–2 22–28 मार्च, 2021	धारणीय विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जल के मूल्य को समझना पूर्व शर्त है (विश्व जल दिवस 22 मार्च के साथ घटित)	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा फसल विज्ञान', कृषि विज्ञान केंद्र, बागवानी विज्ञान, कृषि अभियांत्रिकी संस्थान	400

क्र. सं.	इंडिया@75 समारोह का सप्ताह	विषय–वस्तु	अभियान में अग्रणी तथा साझेदार भाकृअप संस्थान	सहभागिता करने वाले संस्थानों / कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या
2	सप्ताह 7 26 अप्रैल– 2 मई, 2021	आत्म–निर्भर भारत– आयात के प्रतिस्थापन के लिए तिलहनों की संभाव्यता का दोहन करना– 26 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय बीज दिवस के साथ घटित	फसल विज्ञान', कृषि विज्ञान केंद्र, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन तथा कृषि अभियांत्रिकी संस्थान	400
3	सप्ताह–10 17–23 मई, 2021	कृषि एवं पर्यावरण, नागरिक चेहरा" स्कूली बच्चों (भावी नेता तथा नागरिकों) के साथ विचार विनिमय दिनांक 22 मई 2021 को अंतर्राष्ट्रीय जैव–विविधता दिवस के साथ घटित	फसल विज्ञान', कृषि विज्ञान केंद्र, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, बागवानी विज्ञान, कृषि अभियांत्रिकी संस्थान	400
4	सप्ताह–12 31 मई–6 जून, 2021	और अधिक तथा स्वच्छ दूध के लिए पशु स्वास्थ्य तथा स्वच्छता (1 जून, विश्व दुग्ध दिवस पर)	पशु विज्ञान' कृषि विज्ञान केंद्र तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालय	400
5	सप्ताह 31 मई–6 जून, 2021	आय के लिए कृषि–वानिकीः बांस उत्पादन 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के साथ घटित	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन', कृषि विज्ञान केंद्र, बागवानी, फसल विज्ञान संस्थान	70
6	सप्ताह 18 12 जुलाई से 18 जुलाई, 2021	आत्म–निर्भर कृषि– भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद स्थापन दिवस–16 जुलाई	कृषि विस्तार' भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालय, संबंधित विभाग	800

कृषि वानिकी में बांस

क्र. सं.	इंडिया@75 समारोह का सप्ताह	विषय–वस्तु	अभियान में अग्रणी तथा साझेदार भाकृअप संस्थान	सहभागिता करने वाले संस्थानों / कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या
7	सप्ताह 23 16–22 अगस्त, 2021	कृषि एवं पोषणः आदिवासी कृषि शैली	कृषि विस्तार' भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालय	800
8	8 सप्ताह 27 13–19 अगस्त, 2021	पोषण के प्रति संवेदनशील कृषि–पोषण–प्रबलीकृत आहार के साथ प्राकृतिक पोषण (राष्ट्रीय पोषण माह)	कृषि विस्तार' भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालय, संबंधित विभाग	800
9	सप्ताह 304–10 अक्तूबर, 2021	विश्व कपास दिवस 7 अक्तूबर के साथ घटित होने वाला समृद्धि और आराम के लिए कपास (सूती कपड़ा)	फसल विज्ञान', कृषि विज्ञान केंद्र, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं कृषि आभियत्रिकी संस्थान	250
10	सप्ताह 31 11–17 अक्तूबर, 2021	सम्यक न्याय एवं सशक्तिकरण–महिला किसान दिवस (15 अक्तूबर)	कृषि विस्तार' भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय, संबंधित विभाग	800
	सप्ताह 31 11–17 अक्तूबर, 2021	खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए प्रौद्योगिकीय प्रगतियाँ (16 अक्तूबर को विश्व खाद्य दिवस के साथ घटित)	कृषि विस्तार' भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय, संबंधित विभाग	800

संपन्नता के लिए कपास

क्र. सं.	इंडिया@75 समारोह का सप्ताह	विषय–वस्तु	अभियान में अग्रणी तथा साझेदार भाकृअप संस्थान	सहभागिता करने वाले संस्थानों / कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या
11	सप्ताह 36 15–21 नवंबर, 2021	स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए मछली 21 नवंबर को विश्व मात्स्यिकी दिवस के साथ घटित	मात्स्यिकी विज्ञान' भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय	400
12	12 सप्ताह 38 29 नवंबर – 5 दिसम्बर 2021	कृषि शिक्षा दिवस (3 दिसम्बर) स्कूली बच्चों तक पहुँचना	कृषि शिक्षा'प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के मानद विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अन्य संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालय	800
	सप्ताह 38 29 नवंबर –5 दिसम्बर, 2021	मृदा स्वास्थ्य के लिए उर्वरकों का संतुलित प्रयोग– 5 दिसम्बर को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस पर जन अभियान	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन', कृषि अभियांत्रिकी, बागवानी, फसल विज्ञान, कृषि शिक्षा, कृषि विज्ञान केंद्र तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालय	620
13	13 सप्ताह 41 20–26 दिसम्बर, 2021	जय किसान जय विज्ञान सप्ताह (23–27 दिसम्बर) उत्तम खेती–उन्नत किसान	कृषि विस्तार' भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय, संबंधित विभाग	620

दलहनः प्रोटीन का भरपूर स्रोत

क्र. सं.	इंडिया@75 समारोह का सप्ताह	विषय–वस्तु	अभियान में अग्रणी तथा साझेदार भाकृअप संस्थान	सहभागिता करने वाले संस्थानों / कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या
14	सप्ताह 43 3–9 जनवरी, 2022	स्वच्छ दूध दृबेहतर स्वास्थ्य और मूल्य	पशु विज्ञान'संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र राज्य कृषि विश्वविद्यालय	400
15	सप्ताह 48 7–13 फरवरी, 2022	आत्म–निर्भर भारत–आयात के प्रतिस्थापन के लिए संभाव्य दालों का दोहन करना (अंतर्राष्ट्रीय दलहन दिवस 10 फरवरी)	फसल विज्ञान' प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, कृषि अभियांत्रिकी, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय	400
16	सप्ताह 52 7–13 मार्च, 2022	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) महिला किसानों को कौशल और ज्ञान से सशक्त बनाना	कृषि विस्तार' भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय, संबंधित विभाग	800
17	सप्ताह 56 4–10 अप्रैल 2022	विश्व स्वास्थ्य दिवस दृपोषक थाली तथा जैव–प्रबलीकृत फसलें	फसल विज्ञान', बागवानी विज्ञान, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय, संबंधित विभाग	800
18	सप्ताह 64 30 मई से 04 जून, 2022	ग्रामीण आय में वृद्धि करने के लिए कृषि का विविधीकरणः पोषक अनाज, मधु मक्खी पालन (विश्व पोषण दिवस 28 मई तथा विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 31 मई के अवसर पर)	फसल विज्ञान', बागवानी विज्ञान, कृषि विज्ञान केंद्र तथा संबंधित विभाग	500

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

उच्चतर ग्रामीण आय के लिए मधुमक्खीपालन प्रशिक्षण

क्र. सं.	इंडिया@75 समारोह का सप्ताह	विषय–वस्तु	अभियान में अग्रणी तथा साझेदार भाकृअप संस्थान	सहभागिता करने वाले संस्थानों / कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या
19	19 सप्ताह 65 6–12 जून, 2022	आत्म–निर्भर भारत– एक जिला एक उत्पाद– स्थानीय से वैश्विक तक	कृषि विस्तार' कृषि विज्ञान केंद्र, फसल, बागवानी, पशु और मात्स्यिकी विज्ञान संस्थान, राज्य कृषि विश्वविद्यालय	600
20	27 जून 2022 से 3 जुलाई, 2022	जुलाई 1 को अंतर्राष्ट्रीय फल दिवस तथा राष्ट्रीय कृषि दिवस	बागवानी विज्ञान' भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय	500
21	सप्ताह 70 11–17 जुलाई 2022	16 जुलाई, 2022 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का स्थापना दिवस राष्ट्रीय समारोह, (पुस्तक, सफलता गाथाओं का विमोचन तथा प्रधान मंत्री का अपनी आय को दोगुना करने वाले 75000 किसानों को संबोधन)	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय	800
22	सप्ताह 74 1 से 7 अगस्त 2022	फसलों, फलों और सब्जियों में जैविक खेती हेतु जागरूकता अभियान	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन', फसल, बागवानी, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य कृषि विश्वविद्यालय, संबंधित विभाग	620

* अग्रणी विषय–वस्तु प्रभाग. अन्य सभी में कृषि विस्तार अग्रणी प्रभाग है। कृषि विज्ञान केंद्र सभी अभियानों में साझे साझेदार हैं (राष्ट्रीय एवं क्षेत्रक विशिष्ट)।

पहाड़ियों में सेबफल की खेती

2. **क्षेत्र विशिष्ट अभियान:** राष्ट्रीय अभियानों के अतिरिक्त, विशेषीकृत संस्थानों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केन्द्रों के सहयोगी केन्द्रों को शामिल करते हुए क्षेत्र विशिष्ट अभियान आयोजित किए जाएंगे। विभिन्न हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए वेबिनार्स (webinars) किसान संगोष्ठियों, प्रक्षेत्र दिवस बैठकों और संपर्क कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

i). **फसल क्षेत्र:** विभिन्न विषयगत क्षेत्रों के अंतर्गत आठ जागरूकता अभियान फसल क्षेत्र में आयोजित किए जाएंगे।

क्र. सं.	इंडिया@75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	कार्यकलाप
1	सप्ताह 2 22–28 मार्च, 2021 (राष्ट्रीय अभियान के साथ–साथ)	एसडीजी को प्राप्त करने के लिए जल–पूर्व–आवश्यकता का मूल्यांकन	• फसल विविधिकरण	भाकृअप–एसबीआई, कोयम्बतूर सहयोगकर्ता: भाकृअप संस्थान, राज्यों के कृषि विश्वविद्यालय	• जल संस्थानों के कुशल उपयोग पर पैनल चर्चा
2	सप्ताह 7 26 अप्रैल से 2 मई, 2021 (26 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय बीज दिवस पर राष्ट्रीय अभियान के साथ–साथ)	खाद्य सुरक्षा के लिए बीज सुरक्षा	• बीज प्रौद्योगिकी अनुसंधान में प्रगति • बीज उत्पादन के मुद्दे और भावी–पथ	भाकृअप–आईआईएसएस, मऊ भाकृअप–एआईसीआरपी एनएसपी केन्द्र	• सेमिनार/वेबिनार • सहभागिता बीज उत्पादन • प्रशिक्षण • हितधारक बैठक
3	सप्ताह 9 10–16 मई, 2021	कृषि जैव विविधता (यह सप्ताह अंतर्राष्ट्रीय जैव–विविधता दिवस 22 मई की तारीख से मेल खाता है)	कृषि जैव–विविधता विनियमों के स्थायित्व के लिए कृषि जैव–विविधता	भाकृअप–एनबीपीजीआर, नई दिल्ली एनबीएआईआर, बैंगलूरू एनबीएआईएसएम, मऊ एआईसीआरपी केन्द्र, केवीके, राज्य कृषि वि.वि.	• वेबिनार • वैज्ञानिक–किसान उद्योग संवादात्मक बैठक
4	सप्ताह 14 14–20 जून, 2021	चीनी और अन्य उपयोग के लिए गन्ना (यह सप्ताह मरूस्थलीकरण एवं सूखे का सामना करने के लिए विश्व दिवस– 17 जून के साथ आता है)	• जल उत्पादकता के लिए गन्ना सुधार • मिठाई क्रांति • गन्ने के विविधतापूर्ण उपयोग	भाकृअप–एसबीआई, कोयम्बतूर एनएएएस–कोयम्बतूर सहयोगकर्ता: आईसीएआर संस्थान', एआईसीआरपी–गन्ना	• गन्ना अनुसंधान चीन और अन्य उपयोग के लिए गन्ने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (वर्चुअल) • जल उत्पादकता के लिए गन्ना सुधार • सूक्ष्म सिंचाई और जल उपयोग क्षमता में सुधार • गन्ना क्षेत्र के वैश्विक मुद्दे • गन्ना उद्योग चुनौतियां एवं अवसर

सीओ 99004–प्रायद्वीपीय क्षेत्र के लिए एक नई मध्य–पछेती गन्ना किस्म

क्र. सं.	इंडिया@75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	कार्यकलाप
5	सप्ताह 15 21–27 जून, 2021	खाद्य एवं पर्यावरण सुरक्षा के लिए माइक्रोबायोम (यह सप्ताह विश्व माइक्रोबायोम दिवस 27 जून के साथ आता है)	• मृदा एवं पादप स्वास्थ्य के लिए माइक्रोबायोम • जैविक खेती सप्ताह के लिए जैवउर्वरक एवं जैवनाशीजीवनाशी	भाकृअप–एनबीएआईएम, मऊ भाकृअप–आईएआरआई, नई दिल्ली, भाकृअप–एनबीएसएएलयूपी, नागपुर, भाकृअप–भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल, केवीके तथा अन्य आईसीएआर संस्थान	• सेमिनार/वेबिनार • व्याख्यान श्रृंखला • जागरूकता कार्यक्रम • प्रकाशन • भारतीय मृदा माइक्रोबायोम परियोजना से वेबसाईट का आरंभ करना
6	6 सप्ताह 26 20–26 सित., 2021	खाद्य एवं पोषणिक सुरक्षा (यह सप्ताह राष्ट्रीय पौषण मास सित., 2021 के दौरान आता है)	• किसान दृष्टिकोण • औद्योगिक सहभागिता • महिला स्वयं सहायता और लघु उद्यमी	भाकृअप–आईआईडब्ल्यूबीआर भाकृअप–आईएआरआई, नई दिल्ली, भाकृअप–आईआईएमआर, लुधियाना भाकृअप–आईआईपीआर, कानपुर भाकृअप–डीआरएमआर, भरतपुर भाकृअप–आईआईएसआर, इंदौर, भाकृअप–डीजीआर, जूनागढ़ तथा कृषि विज्ञान केन्द्र	• हाल के परिप्रेक्ष्य में खाद्य एवं पोषणिक सुरक्षाः "दाल रोटी" अवधारणा पर वेबिनार • स्वास्थ्य खुराक के रूप में बहुअनाज विपणन मॉडल पर उद्योगों/मिल मालिकों/बेकर्स को आमंत्रित करके संवादात्मक बैठक • उपरोक्त दो कार्यक्रमों के इनपुट का उपयोग करके प्रकाशन • गेहूं, मक्का, दालों, सोयाबीन, सरसों, मूंगफली आदि से घर के बने विपणनीय उत्पादों का प्रदर्शन करते हुए महिला स्वयं सहायता समूहों और उद्यमियों को लगाकर प्रदर्शनियां एवं कार्निवाल

स्वास्थ्य एवं प्रसंस्करण के लिए जौ

क्र. सं.	इंडिया@75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	कार्यकलाप
7	सप्ताह 31 11–17 अक्तूबर 2021 (दिनांक 16 अक्तूबर को विश्व खाद्य दिवस के साथ)	अच्छे स्वास्थ्य, पोषणिक सुरक्षा और जलवायु अनुकूलन के लिए कदन्न–फसलें	• कदन्नों के स्वास्थ्य लाभ • कदन्नों को सभी के लिए खाद्य की मुख्य धारा में लाना	आईआईएमआर, हैदराबाद आईसीएआर संस्थान*, एनआईएन, सीएफटीआरआई, एनआईएफटीईएम, आईआईएफपीटी, एफपीओ, डीएसी एंड एफडब्ल्यू, एपीईडीए, केवीके, एआईसीआरपी केन्द्र, खाद्य उद्योग, स्टार्टअप्स	• जागरूकता अभियान • हितधारकों के साथ संवादात्मक बैठक
8	सप्ताह 49 14–20 फरवरी, 2022 	जलवायु अनुकूल चावल की खेती	• भारत में चावल अनुसंधानः हम जहां भी हो • चावल उत्पादन की नवोन्मेषी तकनीक	समन्वयः आईसीएआर–एनआरआरआई, कटक सहयोगकर्ताः आईसीएआर–आईआईआरआर आईसीएआर–आईएआरआई, राज्य कृषि वि.वि.	• चावल किसान कांग्रेस • जागरूकता कार्यक्रम एवं चावल उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण इनपुटों का वितरण • व्याख्यान • फील्ड दौरें

एकेपीएटीआरए 132: विविधता के लिए कदन्न

ii). बागवानी क्षेत्र: 6 अभियान

बागवानी क्षेत्र (6)

प्रतिभागीः किसान, विद्यार्थी, जन नेता, अध्यापक, बीज उत्पादक, इनपुट व्यापारी आदि

- सहभागिता पारिस्थितिकी प्रबंधन (1)
- आय एवं समृद्धि के लिए नारियल (1)
- पौषणिक सुरक्षा के लिए बागवानी (1)
- आदिवासी और वंचित क्षेत्रों में पोषण के लिए बागवानी प्रौद्योगिकियां (1)
- अधिक उत्पादकता और आय के लिए हाई–टेक बागवानी (1)
- अधिक आय के लिए बागवानी आधारित एकीकृत फसल प्रणाली (1)

साझेदारः एफपीओ,एफपीसी, एसएचजी, जेएलजी, पीआरआई, स्वैच्छिक संस्था, नागरिक सामाजिक संगठन आदि

क्र. सं.	इंडिया@75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	कार्यकलाप
1	सप्ताह 12 6–13 जून, 2021	उत्पादन और जैव विविधता संरक्षण के लिए सहभागितापूर्ण पारिस्थितिकी प्रबंधन	• सहभागितापूर्ण पारिस्थितिकी प्रबंधन • टिकाऊ उपयोग के लिए जैव विविधता	भाकृअप–सीआईएसएच, लखनऊ भाकृअप–एनआरसीएसएस, अजमेर भाकृअप–डीएमएपीआर, आनन्द भाकृअप–आईआईएसआर, कालीकट भाकृअप–सीपीसीआरआई, कासरगोड़ भाकृअप–आईआईएचआर, बैंगलूरू भाकृअप–सीआईटीएच, श्रीनगर भाकृअप–डीएमआर, सोलन भाकृअप–एनआरसीओ, पाक्योंग भाकृअप–एनआरसीएल, मुजफ्फरपुर भाकृअप–आईआईओपीआर पेडावेगी (प. गोदावरी)	• शुष्क और अर्ध शुष्क पारिस्थितिकी के सहभागितापूर्ण प्रबंधन पर सेमिनार • जागरूकता कार्यक्रम: बारहमासी बागवानी उत्पादन प्रणाली में जैवविविधता एवं संरक्षण

केरिसा कैरन्डस लिन्न. (करौंदा), आयरन और खनिजों से भरपूर

क्र. सं.	इंडिया@75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	कार्यकलाप
2	सप्ताह 25 6–12 सितम्बर, 2021	विश्व नारियल दिवस	सम्भावित ताड़ क्षेत्र	भाकृअप–सीपीसीआरआई, कासरगोड भाकृअप–आईआईओपीआर पेडावेगी (प. गोदावरी) भाकृअप–सीआईएआरआई, पोर्टब्लेयर	• बागवानी फसलों पर वेबिनार • नारियल एवं तेल ताड़ पर हितधारक संवाद • तेल ताड़ संबंधी अभियान
3	सप्ताह 29 27 सित.–3 अक्तूबर, 2021 अधिक आय के लिए मशरूम उत्पादन	पौषणिक सुरक्षा के लिए बागवानी फसलें	• मसालों का न्यूट्रास्यूटिकल महत्व • पौषणिक सुरक्षा के लिए मशरूम • विवधीकरण में औषधीय पादपों की सम्भावना और आय सृजन	भाकृअप–आईआईएसआर, कालीकट भाकृअप–एनआरसीएसएस, अजमेर भाकृअप–डीएमआर, सोलन भाकृअप–आईआईएचआर, बैंगलूरू भाकृअप–डीएमएपीआर, आनन्द	• मसालों के न्यूट्रास्यूटिकल महत्व पर वेबिनार • पोषक–तत्वों से भरपूर मशरूम के उत्पादन की प्रौद्योगिकियों पर वैज्ञानिक–किसान संवाद
4	4 सप्ताह 45 17–23 जनवरी, 2022	अधिक उत्पादकता और आय के लिए हाई–टेक बागवानी	• बागवानी फसलों के हाई–टेक उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकियां	भाकृअप–आईआईएचआर, बैंगलूरू भाकृअप–आईआईवीआर, वाराणसी भाकृअप–सीआईएएच, बीकानेर भाकृअप–सीआईटीएच, श्रीनगर भाकृअप–सीआईएआरआई, पोर्टब्लेयर	• बागवानी फसलों के हाई–टेक उत्पादन पर वेबिनार • निम्न–लागत सुरक्षित खेती प्रौद्योगिकियां–भावी पथ पर समूह चर्चा। • संवर्धित आय के लिए संरक्षित खेती पर वैज्ञानिक–किसान संवाद।

क्र. सं.	इंडिया@75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	कार्यकलाप
				भाकृअप–डीएफआर, पुणे भाकृअप–डीएमआर, सोलन भाकृअप–एनआरसीजी पुणे एवं भाकृअप–एनआरसीएसएस, अजमेर	
5	सप्ताह 47 31 जनवरी – 6 फरवरी, 2022	दूरस्थ क्षेत्रों में पौषणिक सुरक्षा को बढ़ाने के लिए बागवानी प्रौद्योगिकियां	दूरस्थ क्षेत्रों में अपनाने के लिए उपयुक्त महत्वपूर्ण बागवानी प्रौद्योगिकियों पर किसानों और अन्य हितधारकों का प्रशिक्षण	भाकृअप–आईआईएचआर, बैंगलूरू भाकृअप–आईआईवीआर, वाराणसी भाकृअप–सीटीसीआरआई, त्रिवेन्द्रम भाकृअप–सीपीसीआरआई, कासरगोड़ भाकृअप–सीआईटीएच, श्रीनगर भाकृअप–आईआईएसआर, कालीकट भाकृअप–डीसीआर, पुत्तूर भाकृअप–एनआरसीपी, सोलापुर भाकृअप–सीसीआरआई, नागपुर भाकृअप–एनआरसीएसएस, अजमेर	पोषक तत्वों से समृद्ध बागवानी फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकी पर हितधारकों का प्रशिक्षण

हाई–टेक बागवानी: क्राइसनथिमम खेती

क्र. सं.	इंडिया@75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	कार्यकलाप
				भाकृअप–डीओजीआर, पुणे भाकृअप–सीआईएएच, बीकानेर भाकृअप–एनआरसीओ, पाक्योंग भाकृअप–डीएमआर, सोलन भाकृअप–सीपीआरआई, शिमला भाकृअप–सीआईएसएच, लखनऊ भाकृअप–डीएमएपीआर, आनन्द	
6	सप्ताह 75 8–15 अगस्त, 2022	किसानों की आय बढ़ाने हेतु स्थायी एकीकृत फसल प्रणाली मॉडल	• संवर्धित आय के लिए सघन फसल प्रणालियां • फसल एवं जलवायु विविधता का स्थायी उपयोग	सीपीसीआरआई, कासरगोड़ आईआईएसआर, कालीकट सीटीसीआरआई, त्रिवेन्द्रम सीआईएआरआई, पोर्टब्लेयर आईआईवीआर, वाराणसी एवं आईआईएचआर, बैंगलूरू	• एकीकृत फसल प्रणालियों पर वेबिनार • स्थायित्व और लाभप्रदता के लिए सघन फसल प्रणालियों पर जागरूकता कार्यक्रम • प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण

एकीकृत कृषि प्रणाली

iii). प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (एनआरएम): 6 अभियान

फार्म तालाब स्प्रैगन के साथ: वर्षा जल का विवेकपूर्ण उपयोग

क्र. सं.	इंडिया@75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	कार्यकलाप
1	सप्ताह 6 19–25 अप्रैल, 2021	मृदा, जल एवं कृषि यंत्रीकरण के लिए व्यापक जागरूकता अभियान	जल संरक्षण एवं सिंचाई समय–अनुसूची	आईसीएआर–आईआई डब्ल्यूएम, भुवनेश्वर	ओडिशा के रयागडा जिले के टीएसपी गांव, पूर्तिगुडा में किसान गोष्ठी का आयोजन
2	सप्ताह 21 2–8 मई, 2021	फसल, फल एवं सब्जियों की जैविक खेती का जागरूकता अभियान	उत्पादन प्रौद्योगिकियां, प्रमाणन विधियां और समूह संरचना	आईआईएफआर, जैविक खेती पर अखिल भारतीय नेटवर्क कार्यक्रम, एआईसीआरपी–आईएफएस, मोदीपुरम	फील्ड दिवस, गोष्ठी, कार्यशाला, सोशियल मीडिया एडवाइजरी, टीवी/रेडियों चर्चाएं और राष्ट्रीय वेबनार
3	सप्ताह 53 14–20 मार्च, 2022	मृदा, जल एवं कृषि यंत्रीकरण के लिए व्यापक जागरूकता अभियान	जल संरक्षण एवं सिंचाई समय–अनुसूची	आईसीएआर–आईआईडब्ल्यूएम, भुवनेश्वर	ओडिशा के क्योंझर जिले के फार्मर फर्स्ट गांव, खुंटापिंगु में फील्ड दिवस का आयोजन
4	सप्ताह 55 28 मार्च–3 अप्रैल, 2022	फसल, फल एवं सब्जियों की जैविक खेती का जागरूकता अभियान	उत्पादन प्रौद्योगिकियां, प्रमाणन विधियां और समूह संरचना	आईआईएफआर, जैविक खेती पर अखिल भारतीय नेटवर्क कार्यक्रम, एआईसीआरपी–आईएफएस	फील्ड दिवस, गोष्ठी, कार्यशाला, सोशियल मीडिया एडवाइजरी, टीवी/रेडियों चर्चाएं और राष्ट्रीय वेबनार
5	सप्ताह 62 16–22 मई, 2022	मृदा स्वास्थ्य में सुधार लाना	मृदा स्वास्थ्य में सुधार लाना	आईसीएआर–आईआईएसएस भोपाल	एमजीएमजी/एससीएसपी द्वारा अंगीकृत गांवों में किसान–वैज्ञानिक संवाद–बैठक एवं फील्ड दिवस
6	सप्ताह 63 23–29 मई, 2022	मृदा स्वास्थ्य में सुधार लाना	मृदा स्वास्थ्य में सुधार लाना	आईसीएआर–आईआईएसएस भोपाल	एमजीएमजी/एससीएसपी द्वारा अंगीकृत गांवों में किसान–वैज्ञानिक संवाद–बैठक एवं फील्ड दिवस

iv). कृषि अभियांत्रिकी: 9 अभियान

क्र. सं.	इंडिया @75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	गतिविधियां
1	सप्ताह 3 29 मार्च से 4 अप्रैल, 2021	स्थायी पर्यावरण के लिए यंत्रीकरण	संरक्षण कृषि	भाकृअप–सीआईएई, भोपाल	प्रदर्शन, कृषक संगोष्ठी
2	सप्ताह 5 12–18 अप्रैल, 2021	रेशा प्रसंस्करण एवं मूल्य–वर्धन	कपास की गुणवत्ता में सुधार	भाकृअप–सीआईआरसीओटी, मुम्बई	कपास गुणवत्ता आधारित व्यापार के बारे में जागरूकता सृजित करने के लिए एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन
3	सप्ताह 19 19–25 जुलाई, 2021	स्थायी पर्यावरण के लिए यंत्रीकरण	संरक्षण कृषि	भाकृअप–सीआईएई, भोपाल	प्रक्षेत्र दिवस, माह–मीडिया में प्रचार
4	सप्ताह 20 26 जुलाई–21 अगस्त, 2021	कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण और मूल्य–वर्धन	अनाजों और दलहनों का कटाई उपरांत प्रसंस्करण और भंडारण	भाकृअप–सीआईपीएचईटी, लुधियाना	अनाजों और दलहनों के कटाई उपरांत प्रसंस्करण एवं भंडारण के बारे में मास–मीडिया अभियांन तथा प्रदर्शन

क्र. सं.	इंडिया @75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	गतिविधियां
5	सप्ताह 45 17–23 जनवरी, 2022	कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण और मूल्य–वर्धन	अनाजों और दलहनों का कटाई उपरांत प्रसंस्करण और भंडारण	भाकृअप–सीआईपीएचईटी, लुधियाना	अनाजों और दलहनों के कटाई उपरांत प्रसंस्करण एवं भंडारण के बारे में मास–मीडिया अभियांन तथा प्रदर्शन
6	6 सप्ताह 44 10–16 जनवरी, 2022	कालियेन्द्राकालो–थाईरस, लाख एकीकृत कृषि वानिकी प्रणाली में एक अच्छा परपोषी	आदिवासी लोगों की आजीविका में वृद्धि	भाकृअप–आईआईएनआरजी, रांची	पारस्परिक विचार–विमर्श बैठकें, खेत दिवस, किसान गोष्ठियां, कार्यशालाएं, परामर्श आदि
7	सप्ताह 52 7–23 मार्च, 2021	जैविक खेती के लिए जैविक इनपुट	वर्मीकम्पोस्ट तैयार करना	भाकृअप–आईआईएनआरजी, रांची	खेत दिवस किसान गाष्ठियां, कार्यशालाएं परामर्श आदि
8	सप्ताह 60 2–8 मई, 2022	पटसन का प्रसंस्करण और मूल्य–वर्धन	गुणवत्ता सुधार के लिए पटसन की वर्धित रेटिंग	भाकृअप–एनआईएनएफईटी, कोलकाता	पटसन की वर्धित रेटिंग के बारे में मास मीडिया अभियांन और प्रदर्शन
9	सप्ताह 69 4–10 जुलाई, 2022	लाख आधारित एकीकृत फसल प्रणाली	आदिवासी लोगों की आजीविका में सुधार	भाकृअप–आईआईएनआरजी, रांची	खेत दिवस पारस्परिक विचार–विमर्श बैठकें, गोष्ठियां, कार्यशालाएं परामर्श आदि

v). पशुधन क्षेत्र : 14 अभियान

पशुधन क्षेत्र (14)

- पशु स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण (5)
- पशु पोषण एवं आहार प्रबंधन (3)
- पशु उत्पादन और कृत्रिम गर्भाधान (एआई) (1)
- उत्तरपूर्वी भारत में आजीविका सुरक्षा के लिए शूकर पालन (1)
- मुर्गीपालन में श्रेष्ठ प्रबंधन पद्धतियां (2)
- मानव स्वास्थ्य के लिए ऊंट का दूध; डेरी; उत्पादन प्रसंस्करण एवं उद्यमिता (2)

प्रतिभागीः किसान, पशुधन पालक पोल्ट्री स्वामी, विद्यार्थी, जन नेता, शिक्षक, बीज उत्पादक, आहार विक्रेता आदि

भागीदारः एफपीओ, एफपीसी, एसएचजी, जेएलजीएस,पीआरआई,पोल्ट्री व्यापारी दुग्ध सहकारिता, डेरीस्वैच्छिकसमाज,सीएसओ आदि

तमिलनाडु की सहकारी संस्था की महिला सदस्य

क्र. सं.	भारत @75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	गतिविधियां
1	सप्ताह 8 3–9 मई, 2021	पशु स्वास्थ्य 	ब्रूसिलोसिस के विरूद्ध टीकाकरण	भाकृअप–आईवीआरआई, इज्जतनगर	फार्म स्कूल, जागरूकता टीकाकरण कैंप/गोष्ठियां एवं खेत दिवस
2	सप्ताह 13 7–13 जून, 2021	पशु स्वास्थ्य	रोगों की संख्या और मृत्यता में कमी लाने के लिए एहतियाती स्वास्थ्य प्रोद्योगिकियां	भाकृअप–सीएसडब्ल्यू आरआई, अविकानगर	खेत दिवस, पशु स्वास्थ्य कैंप, गोष्ठियां,
3	सप्ताह17 5–11 जुलाई–2021	उत्तर पूर्वी भारत में आजीविका सुरक्षा	शूकर पालन	भाकृअप–एनआरसी शूकर गुवाहाटी असम	वैज्ञानिक शूकर पालन पर जागरूकता कार्यक्रम; शूकरों का वितरण, शूकर आहार, आहार अनुपूरक आदि
3	सप्ताह 24 23–29 अगस्त, 2021	पशु पोषण	समूह उत्पादकता में वृद्धि	भाकृअप–सीएसडब्ल्यू आरआई, अविकानगर	मेमनों को मेमनाप्राश आहार, मेमनों के लिए कैफेटेरिया आहार, चारा संरक्षण
4	सप्ताह 33 25–31 अक्टूबर, 2021	बेहतर स्वास्थ्य और उत्पादन के लिए आहार और पोषण	क्षेत्र–विशिष्ट खनिज मिश्रण का अनुपूरण	भाकृअप–एनआईएएनपी, बीएआईएफ, एएयू, आणंद, टीएएन यूवीएएस, चेन्नई प्रक्षेत्र	प्रदर्शन, कार्यशालाएं, स्वयं सहायता समूहों, दुग्ध सोसायटी और दुग्ध संघों के साथ चर्चा
5	सप्ताह 34 1–7 नवम्बर, 2021	कृत्रिम गर्भाधान 	उर्वरता में वृद्धि तथा श्रेष्ठ जर्मप्लाज्म का प्रचार–प्रसार	भाकृअप–सीएसडब्ल्यू आरआई, अविकानगर	कृत्रिम गर्भाधान पर जागरूकता अभियान, फील्ड समूह में अनुरूपण और कृत्रिम गर्भाधान, प्रशिक्षण
6	सप्ताह 37 22–2 8 नवम्बर, 2021	मुर्गीपालन में उत्तम प्रबंधन पद्धतियाँ में जीएमपी	ग्रामीण पोल्ट्री पालन	भाकृअप–डीपीआर, हैदराबाद	कार्यशाला, प्रदर्शनी, टीवी/रेडियो वार्ता

क्र. सं.	भारत @75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	गतिविधियां
7	सप्ताह 42 27 दिसम्बर–2 जनवरी, 2022	मुर्गीपालन में उत्तम प्रबंधन पद्धतियाँ	ग्रामीण पोल्ट्री पालन	भाकृअप–डीपीआर, हैदराबाद	कार्यशाला, प्रदर्शनी, टीवी/रेडियो वार्ता
8	सप्ताह 43 3–9 जनवरी, 2022	पशु स्वास्थ्य	रोगों की संख्या और मृत्यता में कमी लाने के लिए एहतियाती स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियां	भाकृअप–सीएसडब्ल्यूआरआई, अविकानगर	प्रक्षेत्र दिवस,पशु स्वास्थ्य कैंप, गोष्ठियां
9	सप्ताह 46 24–30 जनवरी, 2022	पशु स्वास्थ्य	रोगों की संख्या और मृत्यता में कमी लाने के लिए एहतियाती स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियां	भाकृअप–सीएसडब्ल्यूआरआई, अविकानगर	प्रक्षेत्र दिवस,पशु स्वास्थ्य कैंप, गोष्ठियां,
10	सप्ताह 50 21–27 फरवरी, 2022	मानव स्वास्थ्य के लिए ऊंट के दूध पर व्यापक जागरूकता अभियान	वैकल्पिक दूध	भाकृअप–राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान केन्द्र	स्वस्थ ऊंट दूध उत्पादन तथा शीत श्रृंखला प्रबंधन पर कार्यशाला
11	सप्ताह 54 21–22 मार्च, 2022	डेरी (उत्पादन, प्रसंस्करण और उद्यमिता	डेरी हितधारकों को नवोन्मेषी डेरी प्रौद्योगिकियों का प्रचार–प्रसार	भाकृअप–एनडीआरआई, करनाल	• 2 वेबिनार/सेमिनार • 2 वेबिनार/सेमिनार • 2 वेबिनार/सेमिनार
12	सप्ताह 57 11–17 अप्रैल, 2022	व्यापक जागरूकता अभियान	ब्रूसेलोसिस के विरूद्ध टीकारण	भाकृअप–आईवीआरआई, इज्जतनगर	फार्म स्कूल, जागरूकता, टीकारण कैंप/गोष्ठियां एवं खेत दिवस
13	सप्ताह 58 18–24 अप्रैल, 2022	बेहतर उत्पादकता के लिए पशु स्वास्थ्य	जागरूकता अभियान	भाकृअप–एनआईवीईडीआई,	समूह चर्चा लेक्चर सिरीज, अभियान और रेडियो वार्ता तथा टीवी चर्चा, किसान–खेत कार्यक्रम आदि
14	सप्ताह 67 20–26 जून 2022	बेहतर स्वास्थ्य और उत्पादन के लिए आहार और पोषण	क्षेत्र–विशिष्ट खनिज मिश्रण का नीतिपरक अनुपूरण	एनआईएएनपी, बीएआईएफ, एएयू, आणंद, टीएएनयूवीएएस, चेन्नई	खेत–प्रदर्शन कार्यशालाएं, स्वयं सहायता समूहों, दूग्ध सोसायटी और–दुग्ध संघों के साथ चर्चा

vi). मत्स्यिकी क्षेत्र : 9 अभियान

क्र. सं.	भारत @75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	गतिविधियां
1	सप्ताह 16 28 जून–4 जुलाई, 2021	स्थायी मात्स्यिकी के लिए पारिस्थितिकी प्रणाली प्रबंधन	• स्थायी मात्स्यिकी के लिए पर्यावरण प्रबंधन • जैवविविधता एवं संरक्षण	सीएमएफआरआई, सीआईएफआरआई, एनबीएफजीआर, डीसीएफआर, सीआईएफई, सीआईएफए, सीआईबीए एवं सीआईएफटी	• खुला जल मात्स्यिकी पर वेबिनार • पारिस्थितिकी प्रणाली स्वास्थ्य और जैव विविधता पर जागरूकता कार्यक्रम • संरक्षण कार्यक्रम
2	सप्ताह 25 30 अगस्त–5 सितम्बर, 2021	बत्तख पालन	जल जीव पालन में प्रणाली विविधीकरण	सीएमएफआरआई, सीआईएफआरआई, एनबीएफजीआर, डीसीएफआर, सीआईएफई, सीआईएफए, सीआईबीए एवं सीआईएफटी	• जलजीवपालन में विविधीकरण पर वेबिनार • वैज्ञानिक–किसान–उद्योग पारस्परिक विचार–विमर्श बैठकें
3	सप्ताह 35 8–14 नवम्बर 2021	प्रतिसूक्ष्मजीवी प्रतिरोधी (विश्व प्रतिसूक्ष्मजीवी जागरूकता सप्ताह के साथ)	मछली में प्रतिसूक्ष्म जीवी प्रतिरोधिता	सीएमएफआरआई, सीआईएफआरआई, एनबीएफजीआर, डीसीएफआर, सीआईएफई, सीआईएफए, सीआईबीए एवं सीआईएफटी	• प्रतिसूक्ष्मजीवी प्रतिरोधिता पर सेमिनार/वेबिनार • लेक्चर सिरीज • जागरूकता कार्यक्रम • प्रकाशन
4	सप्ताह 38 29 नवम्बर–5 दिस., 2021	जलजीवपालन में विविधीकरण	विविधीकृत प्रजातियों का बीज उत्पादन तथा जलजीवपालन में प्रणाली विविधीकरण	सीएमएफआरआई, सीआईएफआरआई, एनबीएफजीआर, डीसीएफआर, सीआईएफई, सीआईएफए, सीआईबीए एवं सीआईएफटी	• वेबिनार • बीज वितरण • वैज्ञानिक–किसान–उद्योग पारस्परिक विचार–विमर्श बैठकें

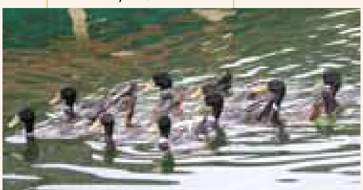

भाकृअप–सीसीएआरआई–प्रजनन और प्रचार अत्यधिक उत्पादक कुटलैंड बत्तख नस्ल

क्र. सं.	भारत @75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	गतिविधियां
5	सप्ताह 40 13–19 दिसम्बर, 2021	जलजीवपालन में मत्स्य स्वास्थ्य प्रबंधन (किसान दिवस के साथ)	• मत्स्य रोग प्रबंधन • जलीय पशु रोग निगरानी	सीएमएफआरआई, सीआईएफआरआई, एनबीएफजीआर, डीसीएफआर, सीआईएफई, सीआईएफए, सीआईबीए एवं सीआईएफटी	• प्रभावी मत्स्य स्वास्थ्य के माध्यम से स्थायी जलजीवपालन पर वेबिनार • जागरूकता अभियान एवं मत्स्य स्वास्थ्य कैंप • मछली किसानों/हितधारकों के साथ पारस्परिक बैठकें
6	सप्ताह 51 28 फरवरी–6 मार्च, 2022	गैर–पारस्परिक जलजीवपालन प्रणालियां	• सजावटी मछली पालन • समुद्री खर–पतवार संवर्धन • मोती संवर्धन	सीएमएफआरआई, सीआईएफआरआई, एनबीएफजीआर, डीसीएफआर, सीआईएफई, सीआईएफए, सीआईबीए एवं सीआईएफटी	• आय सुरक्षा के लिए गैर–पारम्परिक जलजीवपालन की संभावनाओं पर वेबिनार • हितधारकों को परामर्श प्रशिक्षण
7	सप्ताह 66 13–19 जून, 2022	स्थायी मात्स्यिकी और जैवविविधता संरक्षण के लिए सहभागी पारिस्थितिकी प्रणाली प्रबंधन	• सहभागी पारिस्थितिकी प्रणाली प्रबंधन • स्थायी प्रयोग के लिए जैवविविधता संरक्षण	सीएमएफआरआई, सीआईएफआरआई, एनबीएफजीआर, डीसीएफआर, सीआईएफई, सीआईएफए, सीआईबीए एवं सीआईएफटी	• खुला जल मात्स्यिकी के सहभागी प्रबंधन सेमिनार पर वेबिनार • जागरूकता कार्यक्रम, जैवविविधता एवं संरक्षण

क्र. सं.	भारत @75 समारोह की सप्ताह सं.	विषय–वस्तु	उप–विषय–वस्तु	जिम्मेदार संस्थान	गतिविधियां
8	सप्ताह 70 11 – 17 जुलाई, 2022	उभरती जल जीवपालन प्रणालियां एवं रीतियां (राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस के साथ मिलकर)	सघनीय एवं औद्योगिकी जल जीवपालन प्रणालियां	सीएमएफआरआई, सीआईएफआरआई, डीसीएफआर, सीआईएफई, सीआईएफए, सीआईबीए एवं सीआईएफटी	उभरती जल जीवपालन प्रणालियां एवं रीतियां पर सेमिनार/वेबीनार वैज्ञानिक – किसान – उद्योग पारस्परिकता बैठक
9	सप्ताह 73 25–31 जुलाई, 2022	स्वस्थ खाद्य के रूप में मछली	मानव स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए मछली मत्स्य से न्यूट्रास्यूटिकल्स एवं पोषणिक उत्पाद	सीएमएफआरआई, सीआईएफआरआई, एनबीएफजीआर, डीसीएफआर, सीआईएफई, सीआईएफए, सीआईबीए एवं सीआईएफटी	• स्वास्थ्य के लिए मत्स्य पर वेबीनार • पारस्परिक बैठकें • प्रदर्शनियां एवं मत्स्य उत्सव

ख. व्याख्यान माला

- वर्ष 2021–22 के दौरान प्रति सप्ताह 75 व्याख्यानों की योजना बनाई गई है (12 मार्च, 2021 से 15 अगस्त, 2022)। व्याख्यान प्रस्तुतिकरण के लिए कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में तथा विशेष मुद्दों पर वैश्विक विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाएगा। इसके लिए नोबेल पुरस्कार विजेताओं, वैश्विक विश्वविद्यालयों से प्रोफेसर, कृषि से जुड़े अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से विशेषज्ञों, विश्व खाद्य पुरस्कार विजेताओं तथा व्यक्तित्व विकास, कौशल विकास के लिए विशेषज्ञों, सफल उद्यमियों और आध्यात्मिक लीडर्स आदि से व्याख्यान देने का अनुरोध किया जाएगा। जब तक कोविड–19 महामारी की परिस्थितियां सामान्य नहीं हो जाती तब तक व्याख्यानों को वर्च्युल मोड में ही प्रस्तुत किया जाएगा।
- वीडियो और लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से प्रत्येक व्याख्यान के लिए लगभग 10000 श्रोता अपेक्षित हैं। प्रतिभागियों के पंजीकरण के लिए एक पूर्ण समर्पित वेबसाइट को ऑपरेशनल किया जाएगा जिसमें वक्ताओं, विषय तथा संक्षिप्त विवरण शामिल होगा। व्याख्यान की

वीडियो को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अधिकारिक वेबसाइट पर और साथ ही भाकृअनुप के लाइव स्ट्रीमिंग चैनल पर अपलोड किया जाएगा। ये व्याख्यान डेढ़ घंटा की अवधि वाले होंगे जिनमें प्रश्न–उत्तर सत्र भी शामिल होगा। एक प्रकाशन के स्वरूप में कुल 75 व्याख्यानों का संकलन किया जाएगा।

- अभियान के प्रथम सप्ताह से ही यह व्याख्यान माला प्रारंभ हुई और दिनांक 17 मार्च, 2021 को कृषि में जल के महत्व विषय पर पहला व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित 75 व्याख्यानों की माला के लिए विषयी क्षेत्र

1	किसानों की आय को दोगुना करना	26	अतीत की सीख से भावी भारतीय कृषि का निर्माण करना
2	प्रति बूंद अधिक फसल : सूक्ष्म सिंचाई	27	भावी कृषि के लिए जल संरक्षण रणनीतियां
3	5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तैयार करना : रणनीतियां एवं चुनौतियां	28	भागीदारी जलसंभर प्रबंधन के माध्यम से ग्रामीण आजीविका में सुधार लाना
4	राष्ट्रीय शिक्षा नीति : कृषि शिक्षा में इसका क्रियान्वयन	29	मरूस्थलीकरण एवं वैश्विक जलवायु परिवर्तन

5	सफल फार्म उद्यमी, जीनोम रक्षक तथा जैव विविधता संरक्षणविद : पद्मश्री पुरस्कार विजेता तथा जीनोम रक्षकों द्वारा कहानी	30	भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर बनाने हेतु विकासपरक स्कीमों के कनवरजेन्स के लिए आवश्यकता
6	प्रेरणाप्रद व्याख्यान	31	हिवारे बाजार के अनुभव और मूल्य श्रृंखला में इसकी प्रासंगिकता
7	रामायण स्थलों का पुरातत्व	32	भारतीय जैविक उत्पादों की निर्यात क्षमता
8	शाकीय बीज/किस्म प्रतिस्थापन दर में सुधार लाना	33	जीनोमिक सहायतार्थ प्रजनन
9	ग्रीनहाउस उत्पादन प्रौद्योगिकियों तथा पादपक उत्पादन के लिए मानव संसाधन के कौशल में अभिवृद्धि	34	भारत में पादप जीनोम अनुक्रमण और फसल प्रजनन में इसकी उपयोगिता
10	उद्यमशीलता के लिए सरकार की हालिया योजनाएं	35	परपोषी पादप रोगजनक पारस्परिकता का आणविक आधार
11	मसालों में मूल्य वर्धन	36	पादप फोटो जीवविज्ञान एवं विकास
12	केला अपशिष्ट की उपयोगिता	37	चावल जीवन है : एक सफल गाथा
13	गैर पारम्परिक क्षेत्रों में बागवानी फसलों को बढ़ावा देना	38	पोषणिक सुरक्षा के लिए फसलों का जैव प्रबलीकरण
14	फसलोत्तर प्रौद्योगिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण के वैश्विक परिप्रेक्ष्य तथा किस प्रकार भारत द्वारा इसे हासिल किया जा रहा है	39	फसलीय पौधों में जीनोम सम्पादन : भावी परिप्रेक्ष्य
15	उत्पादन उपरांत प्रसंस्करण तथा मूल्य वर्धन के माध्यम से किसानों की आय को दोगुना करना	40	विश्व स्तर पर गेहूं प्रजनन का भविष्य
16	भारतीय फार्म में ऊर्जा उपयोग प्रभावशीलता में सुधार लाना और यांत्रिकीकरण स्तर का सुदृढ़ीकरण	41	मेटाबोलोमिक्स तथा फसलों में इसका अनुप्रयोग
17	ऊर्जा के गैर नवीकरणीय स्रोतों पर भारतीय खेतों की निर्भरता को कम करना	42	त्वरित प्रजनन : त्वरित फसल सुधार का भविष्य
18	प्राकृतिक रेशा प्रसंस्करण तथा मूल्य वर्धन – किसानों की आर्थिक स्वतंत्रता के लिए आशाजनक संभावनाएं	43	माइक्रोबियोम तथा कृत्रिम जीवविज्ञान
19	भारतीय फार्म और किसानों को भविष्य के लिए तैयार करने हेतु रोबोटिक्स, स्वचालन तथा सेंसर आधारित प्रौद्योगिकियां	44	गरीब एवं संवेदनशील के लिए एकीकृत कृषि प्रणालियां
20	भारतीय कृषि में ड्रोन आधारित प्रौद्योगिकियों का प्रयोग – वर्तमान रूझान एवं भावी संभावनाएं	45	गरीब के लिए कृषि आय बढ़ाना
21	प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए भारतीय फार्म के लिए लघु फार्म यांत्रिकीकरण	46	कृषि, पोषण एवं स्वास्थ्य

22	जनजातीय किसानों की आजीविका में सुधार लाने के लिए प्राकृतिक रेसिन एवं गोंद का उत्पादन, प्रसंस्करण तथा मूल्य वर्धन	47	पानी, मिट्टी एवं पारिस्थितिकी
23	उत्पादन तथा उत्पादन उपरांत यांत्रिकीकरण के कस्टम हायरिंग केन्द्रों की स्थापना हेतु उद्यमशीलता विकास	48	जलवायु परिर्वन एवं कृषि
24	कृषि वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से नदी तट का पुनरूद्धार	49	टिकाऊ खेती के लिए कृषि जैव–विविधता
25	भारतीय कृषि के परिप्रेक्ष्य में मृदा का जैविक प्रबंधन	50	मानव मस्तिष्क को समझना

ग. भारतीय कृषि : सफलता की गाथा

स्वतंत्रता उपरान्त कृषि विकास और विभिन्न क्रान्तियों में राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान, शिक्षा तथा प्रसार प्रणाली के योगदान को इस अवधि के दौरान दस्तावेजी रूप दिया जाएगा और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 94वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 16 जुलाई, 2022 को पुस्तक का विमोचन किया जाएगा।

पुस्तक की सुझायी गई रूपरेखा

- भारतीय कृषि : विविधता, अनूठापन तथा प्रमुख उपलब्धियां
  - भारतीय कृषि, इसकी व्यापकता, अनूठापन तथा विविधता
  - उल्लेखनीय उपलब्धियां यथा हरित, श्वेत एवं नीली क्रान्ति
  - वर्तमान स्थिति
  - भावी दिशा
- प्राचीन, मध्ययुगीन तथा स्वतंत्रता पूर्व भारत में कृषि
  - फसल
  - पशु
  - मात्स्यिकी
  - संसाधन प्रबंध
- निम्न में उपलब्धियां
  - खेत फसलें
  - बागवानी फसलें

- पशु विज्ञान
- मात्स्यिकी विज्ञान
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंध
- कृषि अभियांत्रिकी

- कृषि प्रसार में नवोन्मेष
- कृषि शिक्षा में नवोन्मेष
- फसल एवं पशु सुरक्षा में उपलब्धियां
- नीतियों, कार्यक्रमों एवं निर्यात में नवोन्मेष
- अनुसंधान एवं विकास में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
- कृषि स्टार्ट–अप तथा किसान उत्पादक संगठनों में नवोन्मेष
- भारतीय कृषि में लीडर्स

निदेशक, राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रेस प्रबन्धन संस्थान, बारामती, समर्पित तकनीकी सहयोग एवं सचिवालय सुविधा के साथ नोडल अधिकारी नामित किये गये हैं।

घ. किसानों की आय को दोगुना करने पर दस्तावेज

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने देशभर में फैले अपने 721 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से लगभग 1500 गांवों को अंगीकृत किया है और इस कार्य में प्रत्येक गांव में औसतन 50 किसानों को शामिल किया है ताकि उन्नत प्रौद्योगिकियों का बढ़ावा दिया जा सके और उन्हें प्रचलित किया जा सके। साथ ही जैसा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा आह्वान किया गया है, वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के लिए आय बढ़ाने वाली

विविधीकृत गतिविधियों को प्रोत्साहन दिया जा सके। इन 75000 किसानों की सफल कहानियों को दस्तावेजी रूप दिया जाएगा ताकि राज्यों की व्यापक प्रसार प्रणाली के माध्यम से देश के सभी किसानों के बीच इन सर्वश्रेष्ठ कृषि रीतियों को प्रदर्शित किया जा सके। किसानों की आय को दोगुना करने के संबंध में तैयार दस्तावेज को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 94वें स्थापना दिवस समारोह यथा 16 जुलाई, 2022 को जारी करने हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। कृषि विज्ञान केन्द्रों को सलाह दी गई है कि वे एक मानक सांचे में किसानों के साक्षात्कार और विचार के साथ साथ किसानों के खेतों पर प्रदर्शित स्थान वार सर्वश्रेष्ठ कृषि रीतियों को दस्तावेजी रूप दें ताकि इस प्रक्रिया को जनवरी, 2022 तक पूरा किया जा सके। समय–सीमा को इस प्रकार प्रकार निर्धारित किया गया है :

- परिमाणनीय विवरण तथा तैयार किए गए सटीक संदेशों के साथ सफल कहानियों के लिए एक पृष्ठ का सांचा तैयार।
- क्षेत्र–विशिष्ट सफल कहानियों का संकलन करने के लिए नोडल व्यक्ति को नामित किया गया।
- जनवरी, 2022 तक सफल कहानियों/सर्वश्रेष्ठ रीतियों के संकलन को पूरा करना तथा इनकी छंटाई का कार्य करना।
- जून, 2022 तक सफल कहानियों का प्रकाशन।

उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), भाकृअनुप, समर्पित तकनीकी सहयोग एवं सचिवालय के साथ नोडल अधिकारी हैं।

ङ. भाकृअप का 94वां स्थापना दिवस

भाकृअप के 94वें स्थापना दिवस को 'आजादी का अमृत महोत्सव' के 70वें सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। इस आयोजन में किसान–वैज्ञानिक परस्पर सम्पर्क और आपसी मेल–जोल के विशाल समारोह आयोजित किए जाएंगे। भावी कार्यकलाप निम्नलिखित हैः

इस समारोह से जुड़ने के लिए किसानों, किसान प्रतिनिधियों, पदम पुरस्कार से सम्मानित किसानों, भाकृअप संस्थानों तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों के सभी वैज्ञानिकों और कार्मिकों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू), केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालयों तथा कृषि संकाय वाले सामान्य विश्वविद्यालयों, कृषि एवं संबद्ध कार्यकलापों पर काम करने वाले अन्य संगठनों से अनुरोध किया जाएगा।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

संस्थान, ब्यूरो, निदेशालय एवं राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र

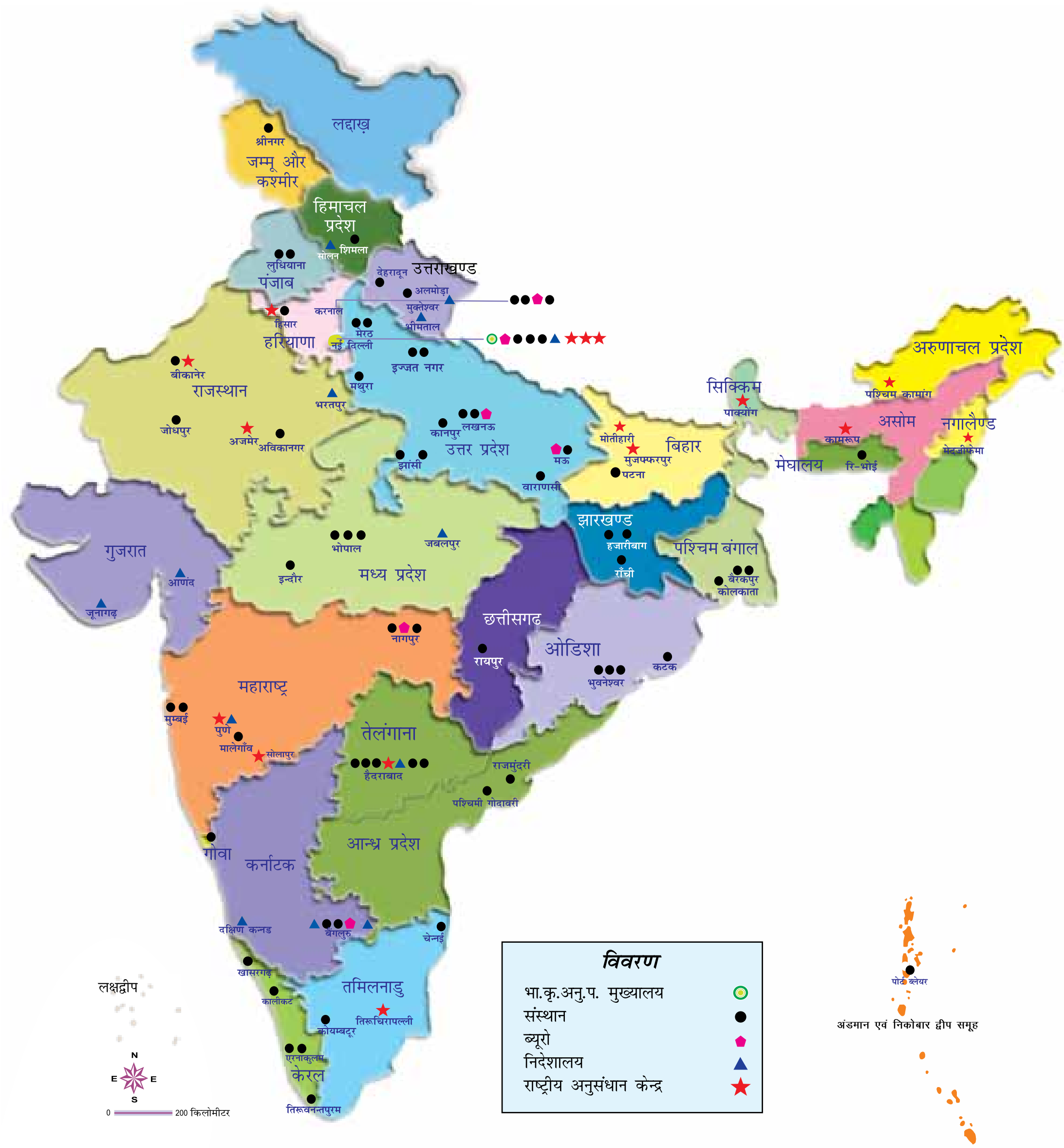

*Map not to the scale

• 72 अनुसंधान संस्थान • 6 ब्यूरो • 12 निदेशालय • 14 राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

कृषि विश्वविद्यालय

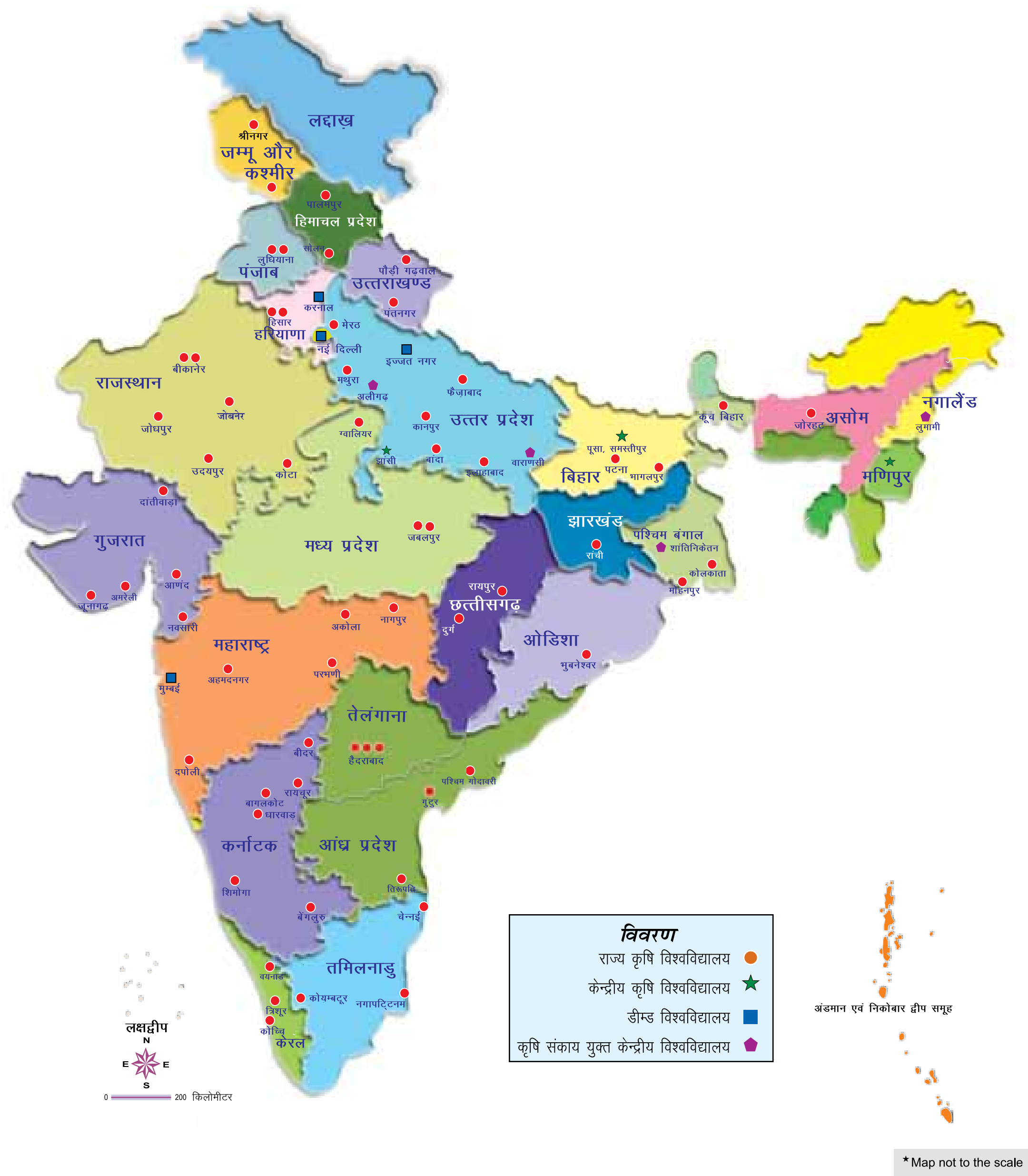

- 63 राज्य कृषि विश्वविद्यालय
- 3 केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
- 5 डीम्ड विश्वविद्यालय
- 4 कृषि संकाय युक्त केन्द्रीय विश्वविद्यालय

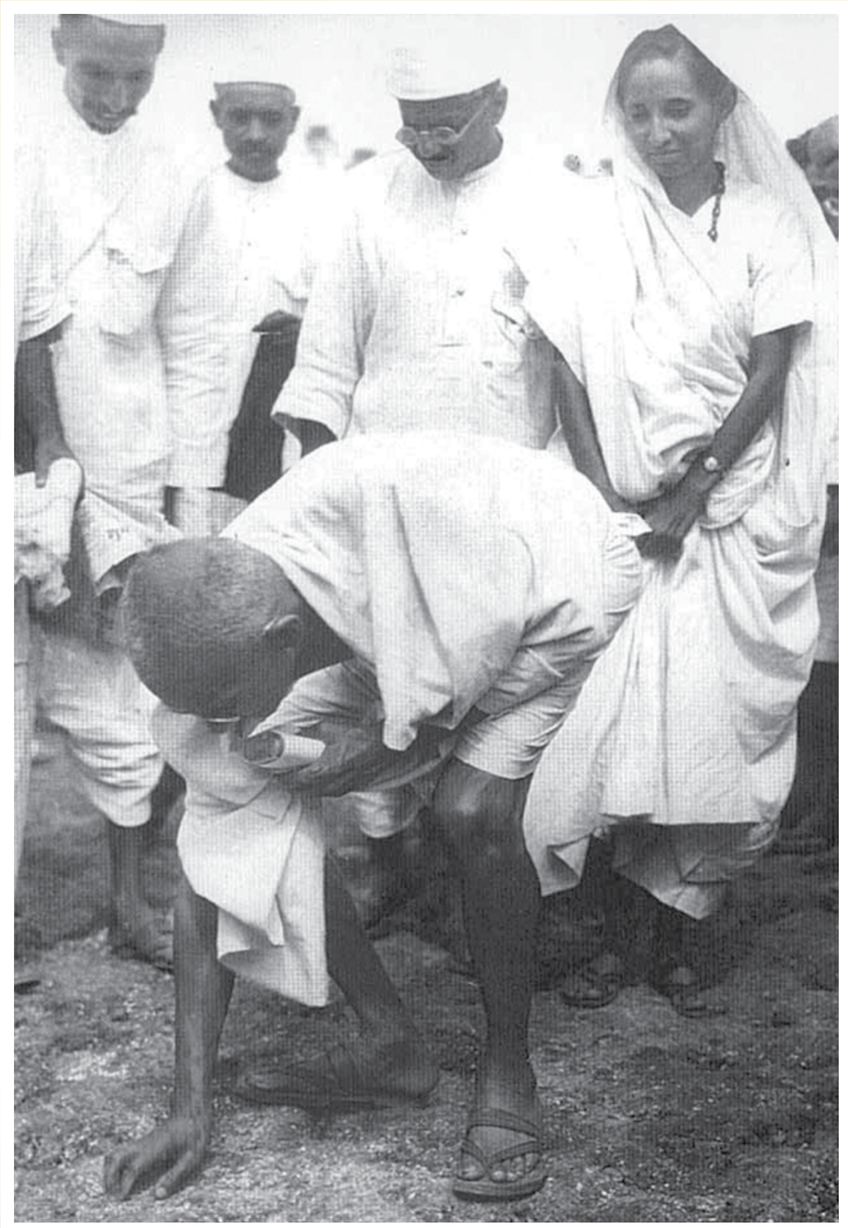

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch

सत्यमेव जयते

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग
कृषि भवन, नई दिल्ली

भाकृअनुप
ICAR